>

Title: Need to provide 50% reservation to the students belonging to Bundelkhand region for admission to the various courses offered by Dr. Harisingh Gaur Central University, Sagar, Madhya Pradeshy.

श्री भूपेन्द्र सिंह (सागर): माननीय सभापति जी, मध्य प्रदेश का जो बुंदेलखंड क्षेत्र है, वह देश के जो सबसे पिछड़े हुए क्षेत्र हैं, उनके अन्तर्गत आता है। बुंदेलखंड में गरीबी और अशिक्षा है। इसलिए डॉ. हरि सिंह गौर, जो देश और दुनिया के बहुत बड़े लॉयर और संविधान निर्माता थे, उन्होंने अपने जीवन की सारी सम्पत्ति लगाकर वहां सागर यूनिवर्सिटी की स्थापना की। उसमें न राज्य सरकार का और न भारत सरकार का एक पैसा भी नहीं लगा। कुछ समय पहले भारत सरकार ने उस विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय घोषित कर दिया। उसमें भारत सरकार और राज्य सरकार का एक भी पैसा नहीं लगा, बल्कि वह पूरी सम्पत्ति डॉ. हरि सिंह गौर की बनाई हुई है।

सभापति महोदय, यदि डॉ. हरि सिंह गौर चाहते, तो वह उस यूनिवर्सिटी को दिल्ली में भी बना सकते थे या नागपुर में भी बना सकते थे, लेकिन उन्होंने वह यूनिवर्सिटी बुंदेलखंड में बनाई। उसे बुंदेलखंड बनाने का उनका एक ही उद्देश्य था कि बुंदेलखंड में जो पिछड़ापन और अशिक्षा है, वह दूर हो। वहां के छात्रों को इस विश्वविद्यालय के माध्यम से शिक्षा मिले और वे पढ़ कर आगे बढ़ें। भारत सरकार द्वारा सागर विश्वविद्यालय, यानी डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय बना देने से बुंदेलखंड के छात्रों को प्रवेश मिलना बन्द हो गया है। जो उस विश्वविद्यालय की मूल भावना थी, जिस भावना से उन्होंने अपनी सारी सम्पत्ति लगाकर वह विश्वविद्यालय बनाया कि बुंदेलखंड के छात्रों को पढ़ने और आगे बढ़ने का अवसर मिले, लेकिन अब वहां के छात्रों को उस विश्वविद्यालय में प्रवेश नहीं मिल रहा है, इसलिए उसकी मूल भावना ही समाप्त हो गई है।

सभापति महोदय, इस कारण से पिछले 15 दिनों से वह यूनिवर्सिटी बन्द है। बुन्देलखंड के जो हमारे छः जिले हैं, उन सभी की मांग है कि हमारी उस यूनिवर्सिटी के अन्दर कम से कम, 50 प्रतिशत का आरक्षण, हमारे बुंदेलखंड के जो गरीब और पिछड़े छात्र हैं, उन्हें दिया जाए। वहां इस मांग को लेकर आन्दोलन चल रहा है।

सभापति जी, देश में ऐसे अनेक केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैं, जहां पर उस राज्य के लोगों को या उस क्षेत्र के लोगों के लिए आरक्षण की व्यवस्था है। इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि हमारे बुंदेलखंड के पिछड़ेपन को समझते हुए, जो हमारी सागर यूनिवर्सिटी है, उसमें बुंदेलखंड के गरीब और पिछड़े छात्रों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। धन्यवाद।

*m02

सभापति महोदय : श्री वीरेन्द्र कुमार, माननीय सदस्य, इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।